जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 28 संख्याः 337 प्रभात अजमेर, शनिवार 6 जुलाई, 2024 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा व कांग्रेस के ''कई ब्रॉण्ड'' धराशायी हुए

कांग्रेस के दो ''ब्रॉण्ड'', अशोक गहलोत व कमलनाथ, राजनीति की दृष्टि से खत्म हो गये

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5जुलाई। इस वर्ष (2024) के चुनावों ने राष्ट्रीय तथा प्रान्तीय दोनों ही स्तरों पर कई ब्रान्ड काफी हद तक धराशायी कर दिये हैं।

इस चुनाव ने राष्ट्रीय स्तर पर ब्रान्ड नरेन्द्र मोदी को उनके ऊँचे आसन से नीचे उतार दिया तथा वे नीचे ही आते जा रहे हैं।

जहां तक कांग्रेस का प्रश्न हैं, दो बड़े ब्रान्ड धूल चाट गए हैं और राजनैतिक रूप से अपने अन्त के निकट हैं।

राजस्थान के कांग्रेस नेता अशोक गहलोत, जो कांग्रेस के अर्थतन्त्र में एक सुपरिचित ब्रान्ड थे, आज हाशिये पर पहुँच चुके हैं।

राजस्थान तथा ए.आई.सी.सी. दोनों ही जगह प्रायः सुनाई देने लगा है- 'एक अशोक गहलोत था'।

अभी हाल ही समाप्त हुये लोकसभा चुनावों में, अशोक गहलोत अपने पुत्र तक की जीत सुनिश्चित नहीं कर सके। वैभव गहलोत दूसरी बार हारे हैं।

राजस्थान कांग्रेस के कुछ लोगों का कहना हैं कि अगर गहलोत नहीं रहे होते तथा अपने बेटे अपने बलबूते पर ही चुनाव लड़ने दिया होता, तो वे जीत भी सकते थे किन्तु अशोक गहलोत के माइक्रो प्रचार-प्रबन्धन के हावी रहने के कारण उनके बेटे की पराजय हो गई।

- गहलोत, दोबारा अपने पुत्र वैभव गहलोत को चुनाव जितवाने में नाकामयाब रहे। बल्कि, राजनीतिक हल्कों में तो चर्चा यहां तक है कि, अगर अशोक अपने पुत्र का चुनाव इतना ''माइक्रो मैनेज'' नहीं करते तो शायद वैभव सहानुभूति के कारण बेहतर प्रदर्शन कर पाते और यह स्थिति नहीं आती कि, अब पार्टी में पूर्व मु.मंत्री गहलोत की जब चर्चा होती है, तो यह शब्द प्रायः सुने जाते हैं कि, ''एक अशोक गहलोत था।''
- इस प्रकार कमलनाथ, अपनी पुरानी सीट छिंदवाड़ा से हारे। 1953 से कांग्रेस पार्टी छिंदवाड़ा से लगातार जीतती आ रही थी। इसके अलावा कमलनाथ के नेतृत्व में मध्य प्रदेश के लोकसभा चुनाव में भाजपा सभी सीटों पर विजयी हुई। कमलनाथ की स्थिति तो इतनी गड़बड़ थी कि, एक बार तो गंभीरता से चर्चा चली थी कि, कमलनाथ व उनके पुत्र भाजपा जॉइन कर रहे हैं।
- भाजपा में सबसे ज्यादा नुकसान प्र.मंत्री मोदी की ब्रॉण्ड वैल्यू को हुआ और भाजपा 63 सीटें पर हारी, जो पिछले चुनाव में भाजपा ने जीती थीं।

एक अन्य बड़े कांग्रेस नेता, जो अब चुक गये हैं वे हैं ब्रान्ड कमल नाथ। अनेक में सचिन पायलट को प्रचार नहीं करने दिया, जिसके कारण में पार्टी में यह प्रबल सन्देश गया कि गहलोत राज्य में अपने धुर-विरोधी प्रतिद्वन्द्वी के साथ कभी भी मिलकर काम नहीं कर सकते।

गहलोत द्वारा दी गई कुछ गलत टिकटों के कारण कांग्रेस कुछ ज्यादा सीटें हार गई, अन्यथा कांग्रेस की सीटों की संख्या और भी ज्यादा रही होती।

अशोक गहलोत, जो इस समय अस्वस्थ बताये जा रहे हैं, अब इंडिया गठबन्धन का चेयरमैन बनने के लिये समर्थन हासिल करने की कोशिश में हैं तथा उन्हें आशा है कि मल्लिकार्जुन खड़गे इस काम में उनकी मदद करेंगे।

गहलोत के लिये इस बात को पचाना मुश्किल हो रहा है कि सचिन पायलट कांग्रेस के नवोदित सितारे हैं क्योंकि वे भारी भीड़ भी जुटा लेते हैं तथा इसके साथ ही, अपने क्षेत्र में सीटें भी जीत लेते हैं। दुःख की बात यह है कि अशोक गहलोत के बारे में ये बातें नहीं कही जा सकतीं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पूर्व विधायक मलिंगा की जमानत रद्द

जयपुर, 5 जुलाई (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने बिजली कंपनी के ए.ई.एन. से मारपीट और एस.सी./ एस.टी. केस से जुडे मामले में पूर्व विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा को दी गई जमानत रद्द कर दी है। इसके साथ ही अदालत ने मलिंगा को तीस दिन में सरेंडर करने को कहा है। जस्टिस फरजंद अली की एकलपीठ ने यह आदेश पीड़ित ए.ई.एन. हर्षाधिपति की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने याचिका पर गत 15 मार्च को पक्षकारों की बहस सुनकर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। अदालत ने माना कि मलिंगा ने अदालत से मिली जमानत का दुरुपयोग किया है। अदालत ने 17 मई, 2022 को मलिंगा को प्रकरण में जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए थे।

- राजस्थान हाई कोर्ट ने बिजली कंपनी के ए.ई.एन. से की गई मारपीट और एस. सी./एस.टी. केस में पूर्व विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा को दी गई जमानत रद्द करते हुए उन्हें 30 दिन में सरैंडर करने के आदेश दिए हैं।

याचिका में अधिवक्ता अजय कुमार जैन ने बताया कि 29 मार्च, 2022 को बाडी थाने में स्थानीय विधायक मलिंगा और उनके समर्थकों के खिलाफ याचिकाकर्ता पर हमला और मारपीट का मामला दर्ज किया था। घटना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दोनों राजधानियों, लंदन व वॉशिंगटन में दो भारतीय मूल के राजनीतिज्ञ चर्चाओं में छाये हैं

ऋषि सुनक अपना प्र.मंत्री पद छोड़ने के कारण और कमला हैरिस डैमोक्रेटिक पार्टी की ओर से अमेरिका के राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार बनने की संभावना के कारण

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 जुलाई। यह दो शहरों की दास्तां है: लंदन और वॉशिंगटन। लेकिन, इसमें थीम साँग एक ही है। अनौपचारिक रूप से प्रधानमंत्री व राष्ट्रपति बनने के लिए दो राजनीतिज्ञ उभरकर आए हैं, इस पद को पाने के लिए आतुर हजारों की भीड़ में से। पर फिर भी इस कहानी में दोनों शहरों में राजनीति की धाराएं भिन्न हैं।

ब्रिटेन के पहले एशियन प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, भारी उतार चढ़ाव व उथल-पुथल वाले दो वर्षों के बाद पद से हट रहे हैं। सुनक के नेतृत्व में कंजर्वेटिव पार्टी को भारी हार का सामना करना पड़ा तथा मतदाता भारी संख्या में लेबर पार्टी की तरफ चले गए।

उधर अमेरिका में, राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में कमला हैरिस का नाम लिया जा रहा है, जो वर्तमान में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन की रनिंग मेट हैं।

राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों के बीच डिबेट के दौरान उनके लगभग विक्षिप्त से प्रदर्शन के बाद डैमोक्रेटिक पार्टी को यकीन हो गया है कि बाइडन जिताऊ उम्मीदवार नहीं है। सी.एम.एम. के अनुसार एक दस्तावेज में कहा गया है, ''इस मुश्किल से बाहर आने का एक रास्ता है और वो है कमला हैरिस। डैमोक्रेटिक ''लैजिटीमैसी''पर सर्वाधिक सशक्त दावा कमला हैरिस का है। वो एकमात्र कैन्डिडेट है जो इस समय बागडोर अपने हाथों में ले सकती है, बजाय अगस्त के अंत में। उनके कई महत्वपूर्ण चुनावी लाभ हैं वो जीत सकती हैं।''

यदि वो चुनी गई तो यह दूसरा व्यक्ति होगा जो अपने ''अडॉप्टेड'' देश में उच्चतम पद पर आसीन होगा।

ब्रिटेन में, ऋषि सुनक ऐसे संकट के समय में प्रधानमंत्री बने जब तत्कालीन प्रधानमंत्री कोविड प्रतिबंधों के दौरान ''पार्टियाँ'' करने के बारे में झूठ बोलने के कारण सारी विश्वसनीयता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- अमेरिका की डैमोक्रेटिक पार्टी का मन बन सा गया है कि, वर्तमान राष्ट्रपति बाइडन अगली बार पुनः राष्ट्रपति पद संभालने के लिये उपयुक्त नहीं हैं, बढ़ती उम्र के कारण।
- एक वरिष्ठ डैमोक्रेटिक पार्टी के नेता ने इस मुद्दे पर टिप्पणी की कि, ''कमला हैरिस शायद बैस्ट उम्मीदवार नहीं हैं, पर, वे ही एकमात्र रियलिस्टिक (व्यवहारिकता की दृष्टि से) सही उम्मीदवार हैं।
- ऋषि सुनक दो साल तक ब्रिटेन के प्र.मंत्री रहने के बाद, उनकी पार्टी के चुनाव हार जाने के कारण अपना पद छोड़ रहे हैं। ब्रिटेन के अखबार उनके जाने के कारणों का विश्लेषण करने में व्यस्त हैं तथा सुनक के कार्यकाल पर मीडिया का फोकस बना हुआ है।

डॉ. सतीश पूनिया हरियाणा में भाजपा के प्रभारी नियुक्त

डॉ. सतीश पूनिया

जयपुर, 5 जुलाई (का.सं.)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने 24 राज्यों के लिए प्रभारी और सह प्रभारियों नियुक्ति कि घोषणा की। प्रदेश के पूर्व भाजपा अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया को भाजपा ने हरियाणा में विधानसभा चुनावों से पहले बड़ी

- भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने 24 राज्यों में प्रभारी व सह प्रभारियों की नियुक्त की।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महुआ मोइत्रा ने एक बार फिर बहुत ही हल्की टिप्पणी की

उन्होंने राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा के लिये कहा, वे बहुत व्यस्त थीं, अपने बॉस का पायजामा थामने में

- श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 जुलाई। तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा एनसीडब्ल्यू की चेयरपर्सन रेखा शर्मा के बारे में की गई अपमानजनक टिप्पणी के कारण विवादों में घिर गई हैं। कृष्णानगर सांसद ऐसी पहली तथा अन्तिम राजनेता नहीं हैं जो विवादास्पद टिप्पणियों के चलते सार्वजनिक चर्चा का विषय बन गई हैं।

मोइत्रा की टिप्पणी उस वीडियो के बाद आई है, जिसमें शर्मा को हाथरस के भगदड़ वाले स्थल पर जाते दिखाया गया है। वे खाली हाथ चल रही हैं तथा एक सुरक्षाकर्मी बरसात से बचाने के लिए उन पर छाता लगाये हुए चल रहा है। इस वीडियो पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए, मोइत्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर टिप्पणी की है: ''वह अपने बॉस का पायजामा पकड़ने में व्यस्त हैं।'' एन.सी.डब्ल्यू. ने इस टिप्पणी की निन्दा की है तथा उनके खिलाफ दिल्ली पुलिस में एक एफ.आई.आर. दर्ज करा दी है। इसके अलावा, एन.सी.डब्ल्यू. ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को एक पत्र लिखकर कहा है कि वे इस मुद्दे पर उचित ध्यान दें। राजनेता, सरकारी अधिकारी तथा सार्वजनिक हस्तियाँ प्रायः इस प्रकार की अशोभनीय टिप्पणियों के शिकार होते रहते हैं। वर्ष 2017 में, जे.डी.यू. नेता स्व. शरद यादव की एक विवादित टिप्पणी अखबारों की सुर्खी ब गई थी। उन्होंने कह दिया था- ''वोट का सम्मान पुत्री के सम्मान से भी ऊपर हैं।'' कुछ साल पहले, भाजपा नेता विनय कटियार एक टिप्पणी करते हुये विवाद को न्यौता दे दिया था। उन्होंने कह दिया था, ''प्रियंका गांधी से ज्यादा खूबसूरत स्टार प्रचारक और भी हैं। पूर्व लोकसभा सांसद तथा कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने तत्कालीन थल सेना प्रमुख बिपिन रावत के बारे में बोलेते हुए, उन्हें ''सड़क का गुन्डा'' कह दिया था। भाजपा नेता संगीत सोम ने एक बयान दिया था कि ताजमहल को ढहा दिया जाना चाहिए क्योंकि यह देशद्रोहियों द्वारा बनवाया गया था। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए सपा नेता आजम

- यह टिप्पणी उन्होंने उस समय कि, जब रेखा शर्मा हाथरस में भगदड़ के कारण हुई त्रासदी की जगह का निरीक्षण कर रही थीं तथा एक सुरक्षाकर्मी ने बूंदाबांदी के कारण उन पर एक छाता तान रखा था तथा रेखा शर्मा के दोनों हाथ फ्री थे, जब वे चल रही थीं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पहली बार लेबर पार्टी ने विदेश नीति में ''एंटी इंडिया'' झुकाव को स्वीकार किया

ब्रिटेन के नये प्र.मंत्री, लेबर पार्टी के नेता, स्टारमर ने पद संभालते ही भारत को विश्वास दिलाया कि, अब लेबर पार्टी पुरानी लेबर पार्टी नहीं है तथा अब लेबर पार्टी भारत के साथ नये रिश्ते कायम करेगी, जो आपसी विश्वास व प्रजातंत्रीय मान्यताओं पर आधारित होंगे।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 जुलाई। युनाइटेड किंगडम (यू.के.) भारत के साथ रिश्ते सुधारने और एक उचित संबंध बनाने जा रहा है। दोनों देशों के विदेश नीति निर्माताओं के मन में इसे लेकर एक उम्मीद की किरण है। उम्मीद की जाती है कि यू.के. नव-निर्वाचित प्रधानमंत्री कीर स्टारमर अपने चुनाव घोषणा के अनुरूप भारत के साथ एक ''नई राजनीतिक साझेदारी'' की प्रतिबद्धता को पूर्ण करेंगे जिसमें यू.के. और भारत के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमैंट (एफ.टी.ए.) को मूर्त रूप दिया जाना भी शामिल है।

स्टारमर ने अपने चुनाव प्रचार के दौरान भारत के साथ संबंध मजबूत करने का संकेत देते हुए उसके साथ यथोचित रिश्तों के महत्व पर बल दिया था। उनके चुनाव घोषणा पत्र में भारत के साथ एक नवीन रणनीतिक साझेदारी की दिशा में काम करने सहित दोनों देशों के बीच फ्री ट्रेट एग्रीमैंट के संकेत थे। स्टारमर ने ब्रिटेन के विभिन्न मंदिरों में दर्शन कर वहां के बढ़ते हिंदू वोटों को लुभाने का दृढ़ प्रयास किया। यद्यपि, उनका यह रूख पार्टी के पूर्व नेता जेरेमी कोर्बिन के दृष्टिकोण से बिल्कुल अलग था।

स्टारमर अपने चुनाव प्रचार के दौरान व्यापार, तकनीकी, पर्यावरण और सुरक्षा अभियानों तक व्यापक, यू.के. और भारत के मजबूत संबंधों के

- प्र.मंत्री स्टारमर के अनुसार ब्रिटेन में हिन्दू फोबिया'' के लिये कोई जगह नहीं है।
- स्टारमर ने यह भी कहा कि, कश्मीर के मुद्दे पर भी लेबर पार्टी ''एक्स्ट्रीमिस्ट'' (अतिवादी) विचार व विचारकों को स्थान नहीं देगा, क्योंकि इन विचारों से ब्रिटेन-भारत संबंधों में बेवजह कटुता व निराशा आती है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)